

मौसम

अधिकतम तापमान 40.८

न्यूनतम तापमान 30.८

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

2

वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा, इस दुनिया में किस पर करें भरोसा?

कनाडा पुलिस ने 400 करोड़ की कोकीन पकड़ी

06

वर्ष :17

अंक :72

प्रयागराज ,शुक्रवार , 13 जून , 2025

पृष्ठ : 06

मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी की चपेट में दिल्ली- एनसीआर, तापमान 52 डिग्री सेल्सियस पहुंचने पर रेड अलर्ट जारी

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में आज भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी है, क्योंकि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बढ़ते पारे के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है। आईएमडी ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में 13 जून तक लू चलने की संभावना है। इसका मतलब है कि इन राज्यों के निवासियों को 14 जून से भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। दिल्ली और एनसीआर के अस्पतालों, खासकर गुडगांव और नोएडा में, हीटस्ट्रोक और निजलीकरण के मामलों में वृद्धि की सूचना मिली है। डॉक्टरों का कहना है कि वे प्रतिदिन कम से कम 1-2 ऐसे रोगियों को देख रहे हैं, जिनमें तेज बुखार, मतली, निम्न रक्तचाप और भटकाव जैसे लक्षण हैं। राष्ट्रीय राजधानी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है और तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने पिछले साल नवंबर में एक व्यक्ति को मादक पदार्थ से जुड़े मामले में नहीं फंसेाने के लिए उससे रिश्वत लेने के आरोप में दिल्ली पुलिस के दो अधिकारियों और एक हेड कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने दिल्ली पुलिस के उपनिरीक्षक सजीव कुमार, सहायक उपनिरीक्षक किरोड़ीमल और हेड कांस्टेबल संजय कुमार के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मलिक ने नौ जून के अपने आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया रिकॉर्ड में पर्याप्त सामग्री और साक्ष्य मौजूद हैं, जो दर्शाते हैं कि शिकायतकर्ता को रिश्वत की मांग करने के लिए आरोपियों ने आपराधिक साजिश रची थी और रिश्वत की रकम संजय कुमार ने स्वीकार की थी।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी पुलिस अधिकारियों ने पिछले साल राष्ट्रीय राजधानी के दरियागंज इलाके में दर्ज एक अलग मामले में शिकायतकर्ता के दो दोस्तों को गिरफ्तार नहीं करने के लिए दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोप है कि आरोपी पुलिस अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को धमकी दी थी कि अगर उसने रिश्वत की रकम नहीं दी तो वे उसे फंसा देंगे। न्यायमूर्ति मलिक ने सजीव और किरोड़ीमल को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ दी गई अभियोजन में जूरी को अवैध बताते हुए मामले में उन्हें बरी करने का अनुरोध किया था।

नागरिकता

बांग्लादेशियों को वापस उनके देश में धकेल कर रहेंगे: हिमंत बिस्व

एनआरसी में नाम होना नागरिकता की गारंटी नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि राज्य सरकार की मौजूदा नीति विदेशियों को वापस भेजने की है, भले ही उनका नाम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) में हो। सरमा ने कहा कि असम में जिस तरह से एनआरसी में नाम शामिल किए गए हैं, उससे इसे लेकर संदेह की काफी गुंजाइश है और यह किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने के लिए एकमात्र दस्तावेज नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने दारंग में एक कार्यक्रम से इतर कहा, कई लोगों ने अनुचित तरीकों का इस्तेमाल करके एनआरसी में अपना नाम दर्ज करवाया है, इसलिए हमने यह नीति अपनाई है कि अगर प्राधिकारी पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि संबंधित व्यक्ति विदेशी है, तो उसे वापस भेज

दिया जाएगा। सरमा ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इस बात से सहमत नहीं हूँ कि एनआरसी में नाम होना ही यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त है कि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक हर्ष मंदर दो साल तक असम में रहे थे और उन्होंने राज्य के कुछ युवाओं को शिक्षा

6 मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक हर्ष मंदर दो साल तक असम में रहे थे और उन्होंने राज्य के कुछ युवाओं को शिक्षा के लिए अमेरिका और इंग्लैंड भेजा था तथा उन्हें एनआरसी में नाम होना ही यह निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरमा ने कहा, हमें उस समय इन साजिशों के बारे में पता नहीं था। मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे इन मामलों का पता चला। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को 19 लोगों को वापस भेजा गया और बुधवार रात नौ अन्य लोगों को वापस भेजा

गया। हम आपको बता दें कि पूरे असम में पिछले महीने से कई लोगों की नागरिकता पर संदेह होने के कारण उन्हें पकड़ा गया है और उनमें से कई लोगों को वापस बांग्लादेश भेज दिया गया है। इनमें से कुछ लोग पड़ोसी देश द्वारा उन्हें अपना नागरिक मानने से इंकार करने के बाद वापस लौट आए हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन ने आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री जनता में भय पैदा करने के लिए जानबूझकर विदेशी अधिनियम और भारतीय नागरिकता अधिनियम को एक साथ जोड़ रहे हैं। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वैध भारतीय नागरिकों को बांग्लादेश वापस भेजने की असम सरकार की कथित कार्रवाई की निंदा की और इसे असंवैधानिक करार दिया। रकीबुल हुसैन ने कहा कि असम समझौते के प्रावधानों के अनुसार विदेशियों का पता लगाया जाना चाहिए और उन्हें निवासित किया जाना चाहिए तथा राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) इस मुद्दे को हल करने की दिशा में एक प्रक्रिया है।

जब भी देश आगे बढ़ता है तो कांग्रेस पार्टी दुख में डूब जाती है... किरेन रिजजू का तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजजू ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके पास मुख्य विपक्षी पार्टी के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है तो कांग्रेस पार्टी दुख में डूब जाती है। भाजपा सांसद ने पिछले 11 वर्षों में भारत के विकास पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

सूचनार्थ

भारत संवाद हिंदी दैनिक समाचार पत्र का मध्य प्रदेश में कोई संस्करण नहीं है और ना ही यहां पर हमारा कोई प्रतिनिधि है। सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि मध्य प्रदेश में भारत संवाद हिंदी दैनिक समाचार पत्र पीडिएफ के रूप में चलाया जा रहा है। उक्त विषय में पूर्व में जिलाधिकारी इंदौर और भारत के समाचार पत्र पंजीयन कार्यालय को आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र भी प्रेषित किया जा चुका है। भारत संवाद अपने प्रतिनिधि एवं संवाददाता के लिए कभी कोई शुल्क नहीं लेता और ना ही इस तरह कोई कार्रवाई जारी करता है। कृपया सावधान रहें और ठगी से बचें।

ऐप में पढ़ें

E-PAPER

भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

सरकार पीड़ितों के साथ :प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की है। उन्होंने उनसे अहमदाबाद जाकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर में गुरुवार दोपहर 242 यात्रियों को लेकर जा रहा एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयरपोर्ट परिसर से थुएं का घना बादल उठता देखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की है। उन्होंने उनसे अहमदाबाद जाकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए। राम मोहन नायडू के कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना का जायजा लिया।

राहुल गांधी ने घटना को बताया हृदय विदारक, अखिलेश ने तुरंत स्पष्टीकरण की मांग की

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना को दिल दहला देने वाला बताया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मौजूदा स्थिति के बीच जमीनी स्तर पर हर संभव मदद करने का आग्रह किया। 232 यात्रियों और 10 चालक दल के सदस्यों को ले जा रहा बोइंग विमान गुरुवार को दोपहर करीब 2:00 बजे सरदार

चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी किरल के कोझिकोड में 7 अगस्त 2020 को एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया था। इसमें 21 यात्रियों की मौत हुई थी, जबकि

हादसे को लेकर अत्यंत व्यथित हूँ

अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताई संवेदना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकारी में बहुत व्यथित हूँ। यह एक हृदय विदारक आपदा है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद राष्ट्रपति ने अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अत्यंत व्यथित हूँ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकारी में बहुत व्यथित हूँ। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाओं और प्रार्थनाएँ प्रभावित लोगों के साथ हैं।

110 लोग घायल हुए थे। इसमें कोरोना के दौरान वंदे भारत मिशन के तहत दुबई से भारतीयों को लाया जा रहा था। एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर अक-171 ने दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान

प्लेन क्रैश, सलमान का इवेंट कैसिल:कहा- मुश्किल वक्त में देश के साथ हूँ, अक्षय की फिल्म कनप्पा का ट्रेलर रिलीज डेट भी ठली

के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में, सड़कों पर लाशें बिखरीं, शरीर जले-पहचानना मुश्किल गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया प्लेन क्रैश में 100 से ज्यादा यात्री मारे गए

विमान दुर्घटना स्थल पर पहुंचे नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, बोले- हादसे की जांच होगी

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापुर एयर इंडिया विमान दुर्घटना स्थल पर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। स्थिति का जायजा लेने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि हादसे की जांच होगी, मौत का आंकड़ा बताना फिलहाल मुश्किल है। मोहन नायडू किंजरापुर ने कहा कि हम निष्पक्ष और गहन जांच करेंगे और पता लगाएंगे कि यह घटना क्यों हुई। हमें अभी भी संख्या का पता लगाना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह जानकारी बहुत दुख हुआ कि भाजपा नेता विजय रूपानी भी वहां मौजूद थे, साथ ही अन्य नागरिक भी थे। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस दुखद और भयावह घटना से पूरी तरह हिल गया हूँ। मैं अभी भी सदमे में हूँ। प्रधानमंत्री ने मुझे फोन करके घटनास्थल पर आने को कहा है। इस समय मैं सिर्फ यात्रियों और उनके परिवारों के बारे में सोच सकता हूँ। बचाव कार्य में कई एजेंसियाँ लगी हुई हैं। मैं अभी संख्या के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। हम हर संभव मदद कर रहे हैं।

किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी। उससे इस्टाग्राम पर 3.86 लाख फॉलोअर्स हैं। अश्लील कंटेंट को लेकर 7 महीने पहले आतंकी अशर डल्ला ने कमल कौर को मारने की धमकी दी थी। फिलहाल परिवार के लोग घटना पर कुछ नहीं बोल रहे। गुरुवार को बटिंडा में कमल कौर का अंतिम संस्कार किया गया। हमने कार का लॉक खोला। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।

पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

युवक पार्किंग में छोड़कर भागा, आतंकी डल्ला ने अश्लील कंटेंट पर धमकी दी थी

बदबू आने पर खुलासा हुआ

सहारा जैन संस्था के वॉलंटियर संदीप सिंह ने बताया कि उन्हें गुरुवार रात को एक कॉल आई थी। बताया गया कि बटिंडा-बरनाला रोड पर आदेश अस्पताल की पार्किंग में एक कार खड़ी है, जिसमें से तेज बदबू आ रही है। जब वह मौके पर पहुंचे, तो वहां एक ईऑन कार खड़ी थी। कार के अंदर एक महिला की डेड बाँधी थी, जो काफी पुरानी लग रही थी। कार लॉक थी।

लुधियाना/बटिंडा , पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बटिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। घटना का एक वीडियो वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5:33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती हुई दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके वहां से चला जाता है। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या

सम्पादकीय

राष्ट्रहित पर राजनीति का रवैया; कांग्रेस को थरसर, खुर्शीद, कनिमोरी और ओवैसी से सीखना चाहिए राष्ट्रहित

ध्यान रहे कि भारत की सामाजिक आर्थिक धार्मिक एवं भाषाई विविधता वास्तव में बेजोड़ है। भारत दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश ही नहीं बल्कि सर्वाधिक विविधतापूर्ण एवं सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र भी है। हमारे संविधान में धार्मिक भाषाई एवं अन्य अल्पसंख्यकों के लिए जिस प्रकार के अधिकार प्रदान किए गए हैं उनकी दुनिया में कोई और मिसाल नहीं मिलती। आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद वैश्विक मंचों पर अपना पक्ष रखने लिए मोदी सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को अलग-अलग देशों में भेजने की जो पहल की, वह अपने मूल उद्देश्य से भी कहीं अधिक सफल साबित हुई है। इन प्रतिनिधिमंडलों में गए सदस्यों ने न केवल पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि आंतरिक स्तर पर कुछ विवादों-विभाजन के बावजूद भारत मूल रूप से एक है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने भारत की समावेशी संस्कृति का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसकी सबसे प्रभावी अभिव्यक्ति तब देखने को मिली, जब द्रमुक सांसद कनिमोरी के समझ स्पेन में भारत की राष्ट्रीय भाषा का सवाल पूछकर उन्हें असहज करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि विविधता में एकता ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर हिंदी थोपने का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि किसी भी सुरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए। यह बात अलग है कि जब स्पेन की धरती पर वह भारत की धाक जमा रही थीं तो उसी दौरान उनकी पार्टी के सहयोगी और प्रख्यात अभिनेता-फिल्मकार कमल हासन कन्नड़ भाषा को कमतर बताने और तमिल की श्रेष्ठता जताने का शिर्गा कूटकर नया विवाद खड़ा करने में लगे थे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी इस मोर्चे पर सराहनीय काम किया। इसमें कांग्रेस के भी कुछ सांसद खास तौर पर शामिल हैं। अपने नेता राहुल गांधी के निरंतर शिकायती लहजे और सामान्य तौर पर नकारात्मक रवैये के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने यही दर्शाया कि भारत राजनीतिक रूप से भी पूरी तरह से एकजुट है। कांग्रेस के ऐसे सांसदों में शशि थरूर की खूब सराहना हुई। विषय के प्रति अपने विशद ज्ञान एवं उत्कृष्ट संवाद शैली के जरिये उन्होंने अनुकरणीय रूप से भारत का पक्ष रखा।

आज का विचार

मंजिल चाहे कितनी भी ऊंची क्यों ना हो, उसके रास्ते हमेशा पैरों के नीचे से ही जाते हैं

भारत संवाद



मेघ राशि: आपका स्वास्थ्य कुछ नरम नरम रहने वाला है, इसलिए आप अपने खानपान पर पूरा ध्यान दें, लेकिन अपनी दिनचर्या में बिल्कुल बदलाव ना करें, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती है।

वृष राशि: आपकी सामाजिक पद और प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। आप अपनी दैनिक सुख-सुविधाओं की कुछ वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं, जिससे आपके शत्रु हैरान रहेंगे, लेकिन आपको उनसे चबराते की आवश्यकता नहीं है।

मिथुन राशि: आपके लिए सावधानी सतकता बरतने के लिए रहेगा। आप किसी जोखिम भरे काम में हाथ ना डालें, नहीं तो आपको समस्या हो सकती है। आप अपने घर को रेनोवेट कराने पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें आप अच्छा खासा धन भी व्यय करने की सोचेंगे।

कर्क राशि: आपके लिए धन संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको रुके हुए धन की प्राप्ति होने से आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और आपकी मान व प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। आपने परिवार में किसी सदस्य से यदि कोई वादा किया था, तो आप उसे पूरा करने में कामयाब रहेंगे, लेकिन अविवाहित जातकों के जीवन में आज किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है।

सिंह राशि: आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बड़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन आप दूसरों की मदद बहुत ही सोच विचार कर करें, नहीं तो आपका कार्य थकान भरा भी समझ सकते हैं। आप यदि आज किसी को धन उधार दें

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति प्राप्ति के लिए रहेगा। यदि आप प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं, तो आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा लाभ लेकर आएगी और आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में भी बड़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपकी साख चारों ओर फैलेगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा। आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसके कारण आपके स्वभाव में भी चिड़चिड़ापन बना रहेगा।

वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा, इस दुनिया में किस पर करें भरोसा?



इन दिनों आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि पति ने पत्नी को मार दिया। पत्नी ने पति को तरबूज में जहर मिलाकर खिला दिया। बेटी ने प्रेमी के लिए पूरे परिवार को मार डाला। पिता ने दूसरी शादी करने के लिए बच्चों का गला घोंटा। यदि अपनों का ही विश्वास न रहे तो आखिर हम दुनिया में किसका भरोसा कर सकते हैं।

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस टंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया। ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना-कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया था किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह-आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92-94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगे, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए? अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी



डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी। जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खेड़ी प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है। इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का

तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की। मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं-मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस। वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक

306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं। राजा की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा। वह जिस तरह बिना किसी प्रतिक्रिया के मामले की छानबीन करती रही, वह तारीफ के काबिल है। प्रतिक्रिया न देने पर सोनम और राजा के परिवार वाले

उसकी लगातार आलोचना कर रहे थे। मेघालय में ऐसे अपराध न के बराबर होते हैं। वहां भी इस घटना पर लोगों में गुस्सा है। लोग दोनों परिवारों से माफी की मांग कर रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर को बेवजह बदनाम किया गया। लोग पूछ रहे हैं कि यदि सोनम को राजा पसंद ही नहीं था तो उससे विवाह क्यों किया? यदि उसे इसकी चिंता थी कि मना करेगी तो हृदय रोगी पिता का क्या होगा, तो क्या अब वह बहुत खुश होंगे? वह नाते-रिश्तेदारों, आसपास वालों का सामना कैसे कर रहे होंगे? आखिर हमारे समाज में भरोसे में इतनी कमी (ट्रस्ट डेफिसिट) कैसे हो गई। इन दिनों आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि पति ने पत्नी को मार दिया। पत्नी ने पति को तरबूज में जहर मिलाकर खिला दिया। बेटी ने प्रेमी के लिए पूरे परिवार को मार डाला। पिता ने दूसरी शादी करने के लिए बच्चों का गला घोंटा। यदि अपनों का ही विश्वास न रहे तो आखिर हम दुनिया में किसका भरोसा कर सकते हैं। क्या यह कहने से समस्या हल हो सकती है कि विवाह संस्था सड़-गल चुकी है और अब इससे निजात पा लेनी चाहिए। पालीजिए, लेकिन पति को पार्टनर कहने भर से स्थितियां नहीं बदल जाती। कोई भी संबंध हो, उसमें विश्वास और धैर्य ही काम आते हैं, जिनका लगातार लोप हो रहा है।

पृथ्वी की उष्णता और जटिल समाधान

संजीव ठाकुर

आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर करारहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उद्योगों की शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनीयों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खेल कर नहें मुने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चरम वाला बनाया जाए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल



इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने, महानगर बने, मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली, पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुंध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरिक्त में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खूब कहा है कि पृथ्वी पर सभी की

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन हैं, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुप्त उठाते हुए युवक युवतियां हैं, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव

जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टियां कैसे चलेगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

क्यों हो रहा है ठाकुर बांके बिहारी कॉरिडोर एवं सरकारी न्यास का विरोध?

(पूरन चन्द्र शर्मा)

बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर पिछले कई सालों से जमकर विरोध हो रहा है। विरोध करने वाले लोग मंदिर में पूजा-पाठ करने वाला गोस्वामी समाज हैं। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि अगर कॉरिडोर बना तो वे लोग अपने ठाकुरजी को लेकर यहां से पलायन कर जाएंगे। गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर उनकी निजी संपत्ति है फिर इसमें सरकार दखल क्यों दे रही है? उन्होंने कॉरिडोर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाए जाने को लेकर सरकार की तरफ से जारी अध्यादेश को मानने से ही इनकार कर दिया है। इनका मानना है कि वृंदावन के मूल स्वामियों के साथ खिलवाड़ करने से कुंज गलियां नष्ट हो जाएंगी और वृंदावन की संस्कृति भी खत्म होगी। बांके बिहारी लाल मंदिर के सेवायत आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी का कहना है कि ठाकुर बांके बिहारी लाल जी आज भी कुंज गली होते हुए निधिवन जाते हैं अतः उनके मार्ग को नष्ट करने का दुस्साहस न करें। इसके अलावा दुकानें हटाए जाने से रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा तथा मनमाने तरीके से दुकानों के टेंडर पास किए जाएंगे।

क्यों है कॉरिडोर की जरूरत?

दरअसल वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अगर वीकेंड हो या फिर नए नया साल या होली या रंग भरी एकादशी तो भक्तों की संख्या लाख के करीब पहुंच जाती है। मंदिर में जाने के लिए रास्ता छोटा होने की वजह से व्यवस्था बिगड़ जाती है। दरअसल मंदिर तक पहुंचने के लिए कई सी साल पुरानी कुंज गलियों से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार भीड़ में लोगों के दबने की खबरें सामने आती हैं, इसीलिए सरकार चाहती है कि व्यवस्था इस तरह की हो जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो और

ज्यादा से ज्यादा लोग दर्शन के लिए आ सकें।

कॉरिडोर बनाने की आवश्यकता ही नहीं

आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी का मानना है कि इस समय बांके बिहारी जी मंदिर में जितने दर्शनार्थी आ रहे हैं इससे तीन गुना से अधिक दर्शनार्थी यहां आ सकते हैं। इतनी जगह मंदिर के पास पूरे परिसर में है जिसमें भोग भंडार के बगल का स्थान, इसके बाद पाठशाला तथा पोस्ट ऑफिस एवं बांके बिहारी जी का चबूतरा। इन सब को मिलाकर यदि इतने ही परिसर को चौड़ा कर दिया जाए तो एक बार में लगभग 25000 यात्री यहां एक साथ आ सकते हैं। इसके अलावा इस्कॉन के बगल वाले परिक्रमा मार्ग को कम से कम फोर लाइन बना दिया जाए तथा एक्सप्रेस वे तक सीधे नेशनल हाईवे-2 से जोड़ दिया जाए तो भीड़ जगह-जगह बंट जाएगी। यदि आसपास का अतिक्रमण हट जाए एवं ईरिक्शा स्टैंड, गाड़ी पार्किंग, और जगह-जगह शौचालय आदि बन जाए तो कॉरिडोर बनाने की आवश्यकता ही नहीं होगी, इससे लोगों को परेशानी का सामना भी नहीं करना पड़ेगा तथा जमीन अधिग्रहण के समय दिया जाने वाला मुआवजा भी नहीं देना होगा इससे सरकार को राजस्व की बचत होगी एवं वृंदावन का वास्तविक स्वरूप भी बना रहेगा।

क्या बांके बिहार मंदिर निजी संपत्ति नहीं?

गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर उनकी निजी संपत्ति है लेकिन रेवेन्यू डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, ऐसा नहीं है। इन दस्तावेजों में यह जमीन मंदिर के नाम से है ही नहीं बल्कि गोविंददेव के नाम से दर्ज है। कॉरिडोर बनाने के लिए मंदिर के पास 100 दुकानों और 300 घरों का अधिग्रहण किया जाना है। हालांकि सरकार इसके लिए उचित मुआवजा देगी लेकिन लोग इसके लिए भी तैयार नहीं हैं।

हीटवेव को लेकर डीएम ने जारी की एडवाइजरी

अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं और डॉक्टरों के उपस्थित रहने के निर्देश

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है और संगम नगरी प्रयागराज भी इससे अछूता नहीं है। जून की शुरूआत के साथ ही तापमान आसमान छूने लगा है। प्रयागराज का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में पांचवां सबसे अधिक तापमान रहा। सबसे गर्म जिला आगरा रहा, जहां तापमान 45.4 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने कई जिलों में लू को लेकर अर्रिज और यलो अलर्ट जारी कर दिया है प्रयागराज जिले में गर्मी का असर आम जनजीवन पर साफ देखा जा सकता है। पंखे और कुलर तक जवाब देने लगे हैं। बिजली की आँख-निचोली ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। लोग सुबह और शाम के समय भी घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। महिलाएं गॉंगल्स, दुपट्टे



और सनस्क्रीन के साथ खुद को ढंक कर ही बाहर निकल रही हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग गन्ने का रस, शिकंजी, बेल का शरबत और नारियल पानी जैसे ठंडे पेय पदार्थों का जमकर सेवन कर रहे हैं। वहीं, डॉक्टरों ने लोगों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पदार्थों का सेवन करने, धूप में निकलने और सरकारी एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी है। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांडड़ ने खुद सामने आकर लोगों को लू से बचाव को लेकर जागरूक किया।

जोनल स्तर पर एनसीआरईएस के साथ दो दिवसीय स्थायी वार्ता तंत्र बैठक का हुआ शुभारंभ

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय प्रयागराज में दिनांक 12.06.2025 से महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उषेंद्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में जोनल स्तर पर नॉर्थ सेंट्रल रेलवे इम्प्लॉईज संघ के साथ दो दिवसीय स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस बालचंद्र अख्यर द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं यूनियन पदाधिकारियों का स्वागत संबोधन किया गया। इस अवसर पर समस्त प्रमुख विभागाध्यक्ष के साथ श्री वी जी गौतम अध्यक्ष/एनसीआरईएस एवं श्री आर पी सिंह महामंत्री/एनसीआरईएस एवं एनसीआरईएस के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक महोदय ने महाकुंभ मेले के दौरान उत्तर मध्य रेलवे के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा



किए गए कार्यों की सराहना की। साथ ही एनसीआरईएस द्वारा रेल प्रशासन को दिए जा रहे सहयोग की प्रशंसा भी की। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ में लगभग 17000 ट्रेनें चलाई गईं जिनमें से 7500 के लगभग विशेष ट्रेनें थी। उन्होंने यह भी बताया कि महाकुंभ के कुल संचालन का लगभग 70% अकेले उत्तर मध्य रेलवे द्वारा किया गया। आयोजित बैठक में महाप्रबंधक महोदय द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के योग्य जिम्मेदार व कर्मचारी द्वारा रेल यात्रियों के लिए सुरक्षित व संरक्षित

सेल में कुल प्राप्त रिफ्रेंस का 98% का तत्काल निस्तारण किया गया है। कार्य की गुणवत्ता में सुधार को ध्यान में रखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 30967 रेल कर्मचारियों को उनके कार्य-क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 257 मृतक आश्रितों को नौकरी प्रदान की गयी एवं 90% प्रकरणों में अनुकम्पा नियुक्ति 2 माह के भीतर की गई। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सेलेक्शन, सुटेबिलिटी एवं ट्रेड टेस्ट के द्वारा अब तक कुल 6524 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ प्रदान किया गया। डिजिटलीकरण की ओर एक कदम बढ़ाते हुए तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए एच आर एस एस के माध्यम से कई मॉड्यूल शुरू किये गए हैं जैसे ई-पास, ई-ऑफिस ऑर्डर, ई ए पी ए आर, ई-सेटलेमेंट, पी एफ लोन एवं अवकाश की स्वीकृति आदि।

एमए के छात्र की कार से कुचलकर हत्या

आर्मी से रिटायर्ड पिता बोलें- बेटे की बाइक को कार से टक्कर मारी, गिरने पर रौंदा

भारत संवाद

प्रयागराज, एमए के छात्र की कार से कुचलकर हत्या कर दी गई। छात्र प्रियांकर अपनी बाइक पर दोस्त के साथ जा रहा था। हमलावरों ने पहले कार से उसकी बाइक को टक्कर मारी। इससे प्रियांकर संभल नहीं सका और बाइक सड़क के किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। इससे प्रियांकर और उसका दोस्त सड़क पर गिर पड़े। फिर कार में बैठे युवकों ने दोनों को रौंदा दिया। इसमें प्रियांकर की मौत हो गई, उसका दोस्त लाइव चिकित्सा चोहान घायल हो गया। उसका आदित्य ने इलाज चल रहा है। प्रियांकर के 2 और दोस्त भी मौत के मौजूद थे, लेकिन उसको बचा नहीं सके। बताया जा रहा है कि कार में बैठे लड़के दूसरे कॉलेज के थे। यह वारदात छात्रों के आपसी झगड़े का नतीजा है। वारदात नैनी के लेप्रोसी चौराहे पर बुधवार रात 1 बजे हुई थी। पिता बोलें- सुबह 4 बजे दोस्त ने फोन करके एक्सीडेंट बताया बारा इलाके के गांव परसरा में रहने वाले संजय कुमार द्विवेदी आर्मी से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया- मेरा बेटा प्रियांकर (28)



अल्लापुर में किराए पर कमरा लेकर एमए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई करता था। वह सीएमपी कॉलेज का छात्र था। बेटे के एक दोस्त का फोन आया। उसने बताया कि प्रियांकर अपने दोस्त के साथ बाइक से कहीं जा रहा था। लेप्रोसी चौराहे पर एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल दोस्त मध्य प्रदेश का रहने वाला, परिवार प्रयागराज आ रहा प्रियांकर के पिता संजय कुमार द्विवेदी ने बताया- जैसे ही बेटे की एक्सीडेंट की सूचना मिली। मैं फौरन लेप्रोसी चौराहे के लिए निकल पड़ा। एक घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंचा। वहां पता चला कि प्रियांकर और आदित्य को उसके साथी प्रशांत और राज स्वकूप रानी अस्पताल ले गए हैं। जब मैं अस्पताल पहुंचा, तो पता चला कि प्रियांकर की मौत हो चुकी है, जबकि आदित्य घायल है। उसका इलाज चल रहा है।

इफको घियानगर फूलपुर के सामुदायिक केन्द्र में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भारत संवाद

इफको घियानगर फूलपुर के सामुदायिक केन्द्र में साइबर सुरक्षा जागरूकता का कार्यक्रम हुआ। साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सतर्कता विभाग इफको फूलपुर तथा संचालन यूपी पुलिस साइबर क्राइम प्रयागराज शाखा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलदीप गनावत, आई.पी.एस., एसपी, गंगानगर संभाग रहे। मुख्य अतिथि कुलदीप गनावत ने कहा कि साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता इसके प्रति बचाव का प्रथम कदम है, साइबर क्राइम से बचाव के लिए सर्वप्रथम धवराएं व डरें नहीं तथा नजदीकी व जिम्मेदार लोगों से जानकारी अवश्य साझा करें, इससे आप साइबर क्राइम का शिकार होने से



बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम आज राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक चुनौती है, शिकायत 1930 या साइबर क्राइम की वेबसाइट में अवश्य दर्ज करें। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि आज हम डिजिटल लाइफ जी रहे हैं, जिसमें हम इसका शिकार भी हो रहे हैं इसीलिए सदैव सतर्क रहे। मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार मिश्र ने कहा आज हम लगभग हर चीज के लिए मोबाइल पर निर्भर हैं, इसलिए इसका

सावधान व सतर्कता से उपयोग करना जरूरी है। प्रतिदिन लोग साइबर क्राइम का शिकार हो रहे हैं, इस कार्यक्रम का आप लोगों सतर्क एवं जागरूक करना है। उप निरीक्षक साइबर क्राइम विनोद कुमार ने कहा कि सभी लोग अपने सिम को अवश्य लॉक करें ताकि वित्तीय धोखाधड़ी को रोका जा सकते तथा अपनी जानकारी अनावश्यक किसी से साझा ना करें। पूनीत रघुवंशी ने कहा कि डिजिटल अस्प्रेस्ट से बचने के लिए डरें नहीं बल्कि तुरंत केस की शिकायत

अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

भारत संवाद

जनपद प्रयागराज में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक दिनांक 12.06.2025 को अपर जिलाधिकारी (नगर), प्रयागराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनपद में सड़क दुर्घटना माह मई, 2024 में 116 की तुलना में मई, 2025 में 133 दुर्घटना हुई। आगामी माह में सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने जायें के निर्देश दिये गये। पिछली बैठक में निर्देशित किया गया कि जनपद प्रयागराज में 46 ब्लैक स्पॉट प्राप्त हुए हैं, उनका पुनः परीक्षण किये जाने हेतु लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त आख्या फोटोग्राफ्स सहित 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें। उपस्थित सहायक अभियन्ता, रांभा खण्ड, लोन्निवि, प्रयागराज को निर्देशित किया गया कि मिजापुर रोड का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किये जाने के सम्बंध में रोड का एलाइमेंट ऑथराइजमेंट का कार्य निर्धारित समयवधि के भीतर पूर्ण करें। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि रोड सेफ्टी से सम्बंधित समस्त

सूचनाओं/बिन्दुओं को शत-प्रतिशत अपडेट कर अगली बैठक में जोन्पीएसओ फोटोग्राफ्स के साथ उपलब्ध करायें। परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि ट्रांसपोर्ट यूनियन के साथ बैठक कर सूचना उपलब्ध करायें। सिविल लाइंस क्षेत्र में वाहन पार्किंग हेतु परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग (यातायात) एवं पीओडीएओ द्वारा संयुक्त निरीक्षण कर वाहन पार्किंग हेतु आख्या उपलब्ध करायें तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा एक लेन में वाहन पार्किंग हेतु मार्ग पर आवश्यक रोड मार्किंग कराना सुनिश्चित करें। यातायात निरीक्षक एवं परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि सिविल लाइन्स व सर्किट हाउस की तरफ मार्गों पर दो पहिया (मोडीफाइट साइलेंसर वाले) वाहनों पर चार-चार सवारियां बैठा कर वाहन चालक घूम रहे हैं, उन पर प्रभावी कार्यवाही की जाय। पीओडीएओ, नगर-निगम व जिला पंचायत, मंडी परिषद, आरओडीओ, लोक निर्माण विभाग व नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत आदि विभागों को निर्देशित किया कि चौराहों पर जंकशन प्वाइंट पर आवश्यक ब्लिंकर एवं पर्याप्त रोशनी हेतु आवश्यक

कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, जिससे कि दुर्घटना को कम किया जा सके। एनएचआई द्वारा हण्डिया बाइपास के पास स्थापित किये जा रहे आईओटीएमएसओ के आपरेशनल के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारी एवं लोन्निविओ को स्थलीय निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये। पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि उन सड़कों की जांच करें जिन पर अत्यधिक सड़क दुर्घनाएं होती हैं। मां सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में लाइसेंस निरस्तीकरण हेतु कार्यवाही की जाय। जनपद में आईओटीएमएसओ से चालान किये जायें। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि फस्ट रिस्पांड के तौर पर प्रशिक्षित किये जायें हेतु 25-30 मास्टर ट्रेनरों की सूची उपलब्ध करायी जाय जिससे कि मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा फस्ट रिस्पांड एवं सीओपीओ आरओ आदि के सम्बंध में ट्रेनिंग दी जा सके। उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु शहर एवं तहसीलों व नगर पंचायतों एवं नगर पालिका परिषदों के अन्तर्गत स्थित विद्यालयों

में रोड सेफ्टी टीकबों का गठन किया जाय। जिला विद्यालय यान समिति की बैठक नियमित रूप से करायी जाय। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निम्नलिखित अधिकारियों/ सदस्यों ने प्रतिभाग किया :- श्री सुरेंद्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता, प्रांतीय खण्ड / निं खं-4 (कुंमेओ), लोन्निविओ, प्रयागराज, श्री मोहम्मद अरशद, सहायक अभियन्ता/ प्रतिनिधि सचिव/सदस्य, जिला सड़क सुरक्षा समिति, प्रयागराज, श्री मोहित कुमार राठौर, सहायक अभियन्ता, निं खं-3, लोन्निविओ, प्रयागराज। श्री जय बहादुर मौय्य, सहायक अभियन्ता, नगर-निगम, प्रयागराज, श्री अमित कुमार, यातायात निरीक्षक, प्रयागराज, श्री सुजीत कुमार सोनी, एनएचआई, पीआईयू, प्रयागराज। श्री राम सागर एवं श्री रणवीर सिंह चोहान, पीओओ, परिवहन विभाग, प्रयागराज, डाओ संजय बरनवाल, सहायक चिकित्साधिकारी, प्रयागराज। श्री रघुनाथ द्विवेदी, उपाध्यक्ष टैम्पो टैक्सी यूनियन, प्रयागराज, श्री रमाकान्त रावत, महामंत्री, टैम्पो टैक्सी यूनियन एवं अन्य उपस्थित अधिकारीगण।

वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 के लिए अकादमी पुरस्कार हेतु इच्छुक विशिष्ट कलाकार 15 जून तक करें आवेदन भारत संवाद

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ के द्वारा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 के लिए अकादमी पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। जनपद प्रयागराज के विशिष्ट कलाकार आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 15 जून, 2025 तक निर्धारित प्रारूप पर अकादमी पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकते हैं। आवेदन हेतु निर्धारित प्रारूप पत्र कार्यालय क्षेत्रीय अभिलेखागार 53, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज से प्राप्त किया जा सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय अभिलेखागार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी प्रभारी क्षेत्रीय अभिलेखागार श्री गुलाम सरवर ने दी है।

प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट टापर्स छात्रों को किया सम्मानित

भारत संवाद

मीरजापुर - प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ लोकभवन के आडिटोरियम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के परीक्षा-2025 में टापर्स/ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को 21-21 हजार रुपए का डेमो चेक (जो उनके खाते में आनलाइन भेजा गया), टेबलेट व प्रशस्ति पत्र देकर तथा 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, रजत पदक व कांस्य पदक खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश के विभिन्न नवीन भवनों का शिलान्यास भी किया गया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक मझवां शुचिसिमा मौर्या, मा0 विधायक छानबे रिंकी कोल सहित अध्यक्ष नगर पालिका मीरजापुर ने छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं बराई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के बेहतर शिक्षा के हित सर्वांगीण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है

- जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण-जनपद मेधावियों को मा0 जनप्रतिनिधिगण व जिलाधिकारी द्वारा किया गया सम्मानित, दी गई ध्वजाई व शुभकामनाएं
- इण्टर के बाद भविष्य दिशा निर्धारण के लिए समय महत्वपूर्ण-अभ्युदय कोचिंग से जुड़कर करे प्रतियोगिताओं की तैयारी-जिलाधिकारी

दिखाया गया। कलेक्ट्रेट में आयोजित सम्मान समारोह में मा0 विधायकगण व जिलाधिकारी तथा अध्यक्ष नगर पालिका मीरजापुर के द्वारा जनपद मेधावी/उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टापर्स छात्रों को 21 हजार रुपए का चेक, टेबलेट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उन्हें आगे कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मा0 विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक मझवां शुचिसिमा मौर्या, मा0 विधायक छानबे रिंकी कोल सहित अध्यक्ष नगर पालिका मीरजापुर ने छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं बराई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के बेहतर शिक्षा के हित सर्वांगीण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है

जन्मदिवस श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी ने परमार्थ गंगा तट पर मनाया अपना 68 वां जन्मदिवस

माननीय विधानसभा अध्यक्ष, मध्य प्रदेश सरकार, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी का सपरिवार का परमार्थ निकेतन में आगमन

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के पावन गंगा तट पर आज माननीय विधानसभा अध्यक्ष, मध्य प्रदेश सरकार, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी अपने परिवार सहित पहुंचे और उन्होंने अपना 68वां जन्मदिवस मां गंगा की गोद में, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में मां गंगा का पूजन, अर्चन कर दिव्यता से परिपूर्ण वातावरण में मनाया और स्वामी जी का आशीर्वाद लिया। श्री तोमर जी ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में संत मुरलीधर जी के द्वारा संपन्न हो रही श्रीराम कथा में सहभाग किया और प्रभु श्रीराम के आदर्शों, भक्ति की गहराई और जीवन-संस्कारों से ओतप्रोत प्रसंगों को श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के चरण, शरण और आचरण जब जीवन का

- श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी जी ने जन्मदिवस के अवसर पर स्वामी जी का लिया आशीर्वाद
- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में संत मुरलीधर जी के श्रीमुख से हो रही श्रीराम कथा में किया सहभाग

पाथेय बन जाते हैं तो कथा करनी नहीं पड़ती बल्कि हो जाती है। मां गंगा के तट पर आकर जन्म ही उत्सव बन जाता है। स्वामी जी ने कहा कि मां शबरी की यात्रा श्रद्धा की यात्रा है, शबरी की यात्रा शुद्धि की यात्रा है, शबरी की यात्रा भक्ति की यात्रा है, शबरी की यात्रा भक्ति की शक्ति की यात्रा है। जीवन में अधिकांशतः बुद्धि की यात्रा पर चला जाता है, परंतु जीवन जब शुद्धि की यात्रा पर होता है तो वह परमात्मा से जुड़ जाता है। जीवन जब बुद्धि से चलता है तो प्रसिद्धि व सफलता तो मिलती है लेकिन जब शुद्धि से चलता



है, प्रसिद्धि तो मिलती ही है, साथ में सिद्धि भी प्राप्त होती है, जो प्रसन्नता के साथ प्रपन्न भी बना देती है। बुद्धि हमें फायदा तो पहुंचा सकती है लेकिन शुद्धि फायदे के साथ कार्यदे में रहना भी सिखाती है। माननीय विधानसभा अध्यक्ष, मध्य प्रदेश सरकार, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी ने कहा कि मेरे जन्मदिवस के अवसर पर पूज्य स्वामी जी, पूज्य संतों और मां गंगा का

एक बार पूज्य स्वामी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। श्री तोमर जी ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी व कुशाभाऊ ठाकरे जी को याद किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धा से किया गया हर कार्य ही परमात्मा का कार्य होता है, इस भाव को अपने अंदर सदैव बनाए रखें। व्यक्ति को अपने प्रति सदैव कठोर बना रहना चाहिए, तभी वह समाज के प्रति नम्र बना रह सकता है। मुझे लगता है कि जन्मदिवस के इस अवसर पर परमार्थ निकेतन आना मां मेरे जीवन का सौभाग्य है और यह जीवन को और निखार रहा है। श्री अजय भाई जी, श्री सत्यभूषण जी, श्री महेश जी और अनेक विशिष्ट विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वामी जी ने हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

टटहाई निवासी युवा स्वर्ण व्यवसाई कृष्णा सोनी की मौत बना रहस्यमई

भारत संवाद

मीरजापुर ,युवा स्वर्ण व्यवसाई कृष्णा सोनी की पत्नी प्राची सोनी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिजापुर को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि उसके पति की हत्या ससुराल वालों ने कर दी। सास के द्वारा प्राची के पति को मार कर घायल कर दिए जाने के बाद मौत हो जाने का आरोप लगाया है। प्राची ने कहा कि घटना के बाद यदि उपयुक्त इलाज भी करा दिया गया होता तो उसके पति आज जिंदा होते मगर ससुराल वालों के द्वारा घटना को छुपाने के चक्कर में आज वो बेवा हो गई। इसके अलावा कई अन्य गंभीर आरोप भी शिकायती पत्र में लगाया गया है। प्राची ने शिकायती पत्र में लिखा है कि मेरी शादी दो वर्ष पूर्व कृष्णा स्वामी निवासी मीरजापुर के साथ हिन्दू रिती रिवाज से हुयी थी जिन्दगी हशी खुशी से गुजर



रही थी दो माह पूर्व मेरे भाई की शादी में कटनी गयी थी शादी के पश्चात दुसरे ही दिन मेरे पति व देवर मुझे लेकर मीरजापुर ससुराल ले आये सासु माँ मुझे देखते ही बोली की भाई की शादी में क्या मिला तब मैं बोली की शादी के दुसरे दिन ही लेकर पती व देवर आ गये इसी बात से नाराज होकर मेरे सासु मुझे कढ़ाई से मारने दौड़ी तभी मेरे पति व देवर मेरे साथ आ गये बोले कि इसकी क्या गलती है क्यों मार रही हो तो सासु माँ बोली पत्नी का पक्ष ले रहे हो और हाथ में लिये कढ़ाई से मेरे पति को कई

बार मारी। देवर ने मेरे पति का हाथ पकड़ लिया और लात घुसा से मारने लगा। मैं पति को बचाने दौड़ी तभी सासु मुझे धक्का मारते हुये कमरे में बन्द कर दिये और तौनो एक राय होकर मेरे पति को मारे है। जब मैं कमरे से बाहर निकलने में सफल हुई तो देखी की कृष्णा सोनी बेहोश पड़ा था और मुझसे मेरा छः माह का बच्चा देवर ने छीन लिया और बोला की मार पीट वाली बात किसी से बताओगी तो तेरे बच्चे और तुझे जान से खतम कर दगे। मेरे पति को अस्पताल न ले जाकर गंज बसोदा (बीना) ले जाकर क्या इलाज कराये पता ही नहीं बाद में कानपुर लेकर गये डाक्टर द्वारा जाँच और भर्ती करने के लिये कहा गया तो तुरन्त घर वापस लेकर आये गये चूँकि मार पीट का राज न खुल जाये और घर में मेरे पति का, सास आपने मायके गंज बसोदा से किसी कम्पाउडर से इलाज कराती रही।

अलीगढ़ कमिश्नर ने किया नगला मसानी गौशाला का भ्रमण कर देखी यहां की व्यवस्था

डॉली शर्मा संबादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। महानगर के नगला मसानी स्थित गौशाला में जनपद मंडल की कमिश्नर संगीता जी का आगमन हुआ जिसमें उनके साथ डॉ.प्रमोद कुमार (अपर निदेशक ग्रेड 2) डॉ.दिवाकर त्रिपाठी (मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ.एके.सिंह उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने पूरी दो मंजिल गौशाला का निरीक्षण किया इस दौरान कमिश्नर ने गौशाला में गौ वंशों की पूजा करके गौ माता को भोजन करके खुशी का इजहार किया और उन्होंने गौशाला की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी गौशाला पहली बार जनपद में देखी है जो पूरी तरह से व्यवस्थित और भोजन से भरे हुए भंडार ग्रह हैं जिसमें चूनी भूसी लौकी तोरई काशिफल भिंडी



नारायण लच्छो, अविनाश छोट्ट, राजेंद्र प्रसाद, नूतन लॉक, दीपक गुप्ता, यतेंद्र डिब्बा, नवीन मामा, मीडिया प्रभारी विशाल देशभक्त और सीमा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना से अलीगढ़ को मिलेगी नई पहचान,अलीगढ में वेस्ट यूपी का सबसे बड़ा लॉक म्यूजियम बनेगा जवाहर भवन की नई पहचान होगी लॉक म्यूजियम,27 करोड़ से बनेगा लॉक म्यूजियम

भारत संवाद

अलीगढ़। ताला और तालीम के नाम से पहचाने जाने वाले अलीगढ़ की आने वाले दिनों में लॉक म्यूजियम के नाम से नई पहचान बनने जा रही है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत लगभग 27 करोड़ की लागत से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सबसे बड़ा लॉक म्यूजियम बनाने जा रहा है लॉक म्यूजियम की कार्य योजना की स्वीकृति नगर विकास मंत्रालय द्वारा दे दी गई है लॉक म्यूजियम बनाने के लिए डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जाएगी और शासन से वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद लॉक म्यूजियम बनाने की कवायत जोर पकड़ेगी।महापौर प्रशांत सिंघल, मंडलायुक्त संगीता सिंह व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के प्रयास से मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना अंतर्गत लॉक म्यूजियम का प्रस्ताव तैयार करारक शासन को प्रेषित किया गया था और शासन ने अलीगढ़ नगर निगम के इस



प्रस्ताव की सराहना करते हुए इसकी कार्य योजना की स्वीकृति दे दी है।।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि अलीगढ़ का पुराना लॉक उद्योग भविष्य में अलीगढ़ में उद्योग व रोजगार का सुनहरा अवसर देने जा रहा है।अलीगढ़ का लॉक उद्योग देश विदेश में विख्यात है इसी को देखते हुए अलीगढ़ नगर निगम द्वारा अलीगढ़ के लॉक की 100 साल पुरानी यात्रा को आधुनिक रंग रूप में नागरिकों के सामने प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत 27 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित किया गया था शासन ने प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी है।उन्होंने बताया शहर के विकास के लिए लॉक म्यूजियम नजौर बनेगा,इसकी डीपीआर अनुभवी कंसल्टेंट के द्वारा तैयार कराई

मेधावियों के सम्मान मेंजनपद स्तर पर आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

प्रवीन कुमार शर्मा संबादाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ़। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को राज्यस्तर पर लखनऊ में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलकट्टे सभागार, अलीगढ़ में आयोजित हुआ। अलीगढ़ जनपद के मेधावियों का जिलास्तरीय सम्मान: 21,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि टैबलेट, प्रशस्ति पत्र, मेडल पहनाकर सम्मान खेल जगत में चमके अलीगढ़ के सितारे: 1- सौम्या (कराटे) 50,000 2- नैना (फ्री स्टाइल कुश्ती) 50,000 3- रेखा रानी (क्रिकेट) 25,000 इन टॉपर्स के लक्ष्य प्रेरणादायक हैं - डॉक्टर बनना चाहती हैं निशा व सौरभ यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं धुवनेश सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहती हैं रिया न्यायिक सेवा में जाना चाहते हैं यशवंत



सेना में सेवा का सपना देख रहे हैं आकाश वर्मा

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सांसद श्री सतीश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किशव सिंह, एमएलसी श्री ऋषिपाल सिंह, विधायक श्री रविन्द्र पाल सिंह, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, डीआईओएस डॉ. सर्वदानंद, विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अभिभावकएण आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

पांच लोगों ने किये नेत्रदान, 10 लोगों को मिली रोशनी

भारत संवाद

सहारनपुर। रोशनी नेत्र कोष एवं रोशनी मानव सेवा ट्रस्ट टीम संबंधित डॉक्टर श्राॅफ चैरिटी आई हॉस्पिटल टीम को पांच लोगों की नेत्रदान उपलब्ध करवाई समाजसेवी अंबाला शहर से सतनाम नागपाल ने स्व.श्रीमती बिमला रानी नागपाल के मरणोपरांत नेत्रदान करवाए। जन सेवा दल कर्नाल से राजकुमार अरोड़ा ने दो व्यक्तियों के नेत्रदान करवाए। स्व.श्री ओम प्रकाश आर्य ,स्व.श्रीमती कमलेश रानी बसरा के मरणोपरांत नेत्रदान करवाए। सहारनपुर मुमाइश कैप से सहारनपुर समाजसेवी पंकज जैन जी और डॉ.मनीष गोयल के द्वारा स्वर्गीय किशन लाल गोयल के मरणोपरांत नेत्रदान करवाए रोशनी आई बैंक सहसचिव कमल जैन और समाजसेवी राजीव जैन के द्वारा स्वर्गीय राकेश कुमार जैन के मरणोपरांत नेत्रदान करवाया गया आई बैंक टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महिने की राष्ट्रीय नेत्रदान दिवस के चलते पांच लोगों ने नेत्रदान किया और सभी समाजसेवी संस्था के अर्थक प्रयासों द्वारा रोशनी नेत्र कोष एवं चिकित्सालय सोसायटी एवं रोशनी मानव सेवा ट्रस्ट को 1073 नेत्रदान प्राप्त हो चुके हैं जो समाज के लिए बहुत बड़े गौरव की बात है इनके द्वारा किसी जरूरतमंद लोगों को रोशनी देखने का सौभाग्य प्राप्त होता है

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित एवं वितरित किए गये टैबलेट

भारत संवाद

सहारनपुर। केन्द्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम जनमंच सभागार में महापौर डॉ0 अजय सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक रामपुर मनिहारान श्री देवेन्द्र सैनी, जिलाध्यक्ष बीजेपी श्री महेन्द्र सैनी एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित राजेश महाजन की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इसी के साथ राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार का वितरण एवं कल्याण सेक्टर की जनकल्याणकारी लाभार्थीपरक योजनाओं में लाभान्वित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का जनमंच सभागार में सजीव प्रसारण भी देखा गया।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2025 में यू.पी. बोर्ड की परीक्षा में हाई स्कूल व इण्टर मीडिएट की परीक्षा में टॉप टैन सूची

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का देखा गया लाईव प्रसारण



में स्थान प्राप्त करने वाले बालक व बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल के साथ टैबलेट का वितरण करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बाल सेवा योजना (कोविड) के 2 लाभार्थियों को लेपटॉप का वितरण किया गया तथा बाल सेवा योजना (सामान्य) के 50 लाभार्थी, स्याॅन्सरशिप योजना के 50 लाभार्थी, निर्यांत्रित महिला पेंशन योजना के 100 लाभार्थी, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 50 लाभार्थी, दिव्यांग भरण-पोषण पेंशन के 50 लाभार्थी, वृद्धावस्था पेंशन योजना के 250 लाभार्थी, राष्ट्रीय पारिवारिक

लाभ योजना के 85 लाभार्थी, पूर्वदशम व दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के 70 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया।।महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए सरकार की योजनाओं सहारनपुर नगर में किये गये विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की गयी।विधायक .राजीव गुम्बर द्वारा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए जन सामान्य को सरकार की योजनओं से रूबरू कराया गया तथा उ.प्र. सरकारी सेवा, सुरक्षा व सुशासन के लक्ष्य की जानकारी प्रदान की गयी।

विकसित सेवा काल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा महानगर द्वारा एक प्रबुद्ध समागम का आयोजन किया गया

डॉली शर्मा संबादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। विकसित भारत का अमृत काल,सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी महानगर अलीगढ़ द्वारा कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में एक प्रबुद्ध समागम का आयोजन किया गया इस समागम में मुख्य वक्ता के रूप में आगरा के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल,एटा के विधायक विपिन डेविड,सांसद सतीश गौतम और एमएलसी ऋषिपाल सिंह चौधरी ने 11 वर्ष के सुशासन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और देश के विकास में भाजपा सरकार की उपलब्धियां की चर्चा की। प्रस्तावना रखते हुए महानगर अध्यक्ष ई.राजीव शर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को लेकर काम करती है जिसमें चाहे तिरंगा यात्रा हो या अन्य राष्ट्र भक्ति के कार्यक्रम और महानगर के पदाधिकारियों ने बड़-चढ़कर सभी में हिस्सा लिया और सफल आयोजन किया है।सांसद सतीश गौतम ने पिछले 11 वर्षों में अलीगढ़ में किए गए विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड बतलाया और कहा कि फ्रंट कॉरिडोर, महाराज महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी स्मार्ट सिटी अलीगढ़ नेशनल हाईवे की फोरलेन से सिक्स लेन में बदलवाना आदि विकास कार्यों का ब्यौरा दिया।एमएलसी ऋषिपाल सिंह ने विकसित भारत की संकल्पना और हमारी भूमिका,सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष एवं सशक्त भारत सुरक्षित भारत विषय पर विस्तृत रूप से अपने विचार प्रकट किये।उन्होंने बताया कि अल्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर सरकार गरीबों वंचितों और पिछड़ों के प्रति समर्पित है।प्रधानमंत्री आवास में चार करोड़ से अधिक



मकान बनाए गए हैं,नारी शक्ति वंदन अधिनियम द्वारा महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों की ऐतिहासिक जीत हुई है स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं जिससे आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 9 करोड़ से अधिक लोगों के निशुल्क इलाज किए गए।राष्ट्र सर्वोपरि,सशक्त भारत, सुरक्षित भारत,राष्ट्रीय सुरक्षा विदेश नीति के क्षेत्र में भी नया इतिहास रचा गया है।।अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प पूरा किया गया।आगरा से पधारे विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, एटा से पधारे विधायक विपिन डेविड ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के 11 वर्ष के गौरवशाली समय में भारत को एक नई दिशा,नई नीति और नव विकास की राह दी है और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नया इतिहास रचा,आधुनिक रेल नेटवर्क,एक्सप्रेस हाईवे का जाल,विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और स्मार्ट शहर,हर गांव तक बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी मिली है।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शी सोच से आज समग्र राष्ट्रीय विकास को नहीं रफ्तार नई दिशा मिल रही है।प्रबुद्ध समागम से पहले एक प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया जिसमें मोदी जी सरकार के 11 साल की विभिन्न उपलब्धियां को दर्शाया गया है जिसे दर्शकों ने बहुत सराहा।पर्यावरण संरक्षण के लिए अतिथियों द्वारा पौधारोपण भी किए गए।

अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर कमिश्नरी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मण्डलायुक्त ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0) : आयुक्त अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ संगीता सिंह की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल उन्मूलन एवं पुनर्वासन विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन कमिश्नरी सभागार में किया गया।।मण्डलायुक्त द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया।मण्डलायुक्त ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि बाल श्रम कुरीतियों के सम्बन्ध में समय-समय पर जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। उन्होंने बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 यथा संशोधित अधिनियम, 2016 में बाल श्रमिकों के लिए विधिक प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराने के एवं आपसी विभागीय समन्वय स्थापित कर बाल श्रम उन्मूलन



की दिशा में सकारात्मक कार्य करने के भी निर्देश दिये।उप श्रमायुक्त सियाराम ने कार्यशाला का संचालन करते हुए बाल श्रम उन्मूलन के लिए किये जा रहे कार्यों व पुनर्वासन के सम्बन्ध में चलाई जा रही केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 यथा संशोधित अधिनियम, 2016 अधिनियमित किया गया।।उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 14 वर्ष से कम उम्र का बच्चा और।15 से 18 वर्ष का किशोर खतरनाक कार्यों में मजदूर के रूप में काम नहीं कर सकता।

भय्यता के साथ मनाया

योगी का जन्मदिन

सहानपुर।। मुख्यमंत्री एवं गौरक्ष पीठाधीश्वर आदित्य योगी नाथ महाराज जी के 54 वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ द्वारा जिला उपाध्यक्ष विपिन त्यागी के निवास स्थान गांव तलहैड़ी बुजुर्ग सहारनपुर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन मंडल प्रभारी डॉक्टर सतीश गौतम के नेतृत्व में कुशल सहभागियों द्वारा मिलकर किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे			
टेंडर संख्या:-	230-वि0/कवि0/प्रयागराज/ई-टेंडर/2025/564	दिनांक:	11.06.2025
ई-निविदा सूचना			
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कवि0/30एम00/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।।			
निविदा सं.: 230-कवि0-कार्य ठेका-955-2025			
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत जेटीपीपी (एटा डिपो), डब्यूसीएल (सोमना, अलीगढ़ डिपो) और टीएचडीसी (डांवर, खुर्जा डिपो) में साइडिंग के ओवर हेड उपकरण (ओवर्हेड) का दो वर्षों तक रखरखाव की आउटसोर्सिंग का कार्य।			
अनुमानित लागत:	रु.2,84,15,948.09	बिड सुरक्षा राशि:	रु. 2,92,100.00
निविदा बन्ध होने की तिथि तथा समय:	02.07.2025, 14:00 बजे	बोली प्रणाली:	एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समय:	02.07.2025, 15:00 बजे	कार्य अवधि:	24 महीना
नोट:-(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा।।			
(2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी।। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें।। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।।			
1016/25 (D)			
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR			

बाइक सवार पीएसी के निलंबित सिपाही को कार ने टक्कर मारी मौत

आकाश शर्मा, भारत संवाद



अलीगढ़: करीब एक वर्ष से निलंबित चल रहे पीएसी के सिपाही को गुरुवार को पिलौना मोड़ के समीप कार ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल सिपाही की उपचार के दौरान अलीगढ़ के एक नर्सिंग होम में मौत हो गई। कुलदीप कुमार पुत्र श्रवण कुमार 32 वर्ष निवासी अंबेडकर कालोनी थाना छतारी जनपद बुलंदशहर का मूल निवासी था जिसका एक मकान आनंद विहार कालोनी थाना क्वासी अलीगढ़ में भी बताया जाता है। कुलदीप कुमार की पोस्टिंग जनपद इलाहाबाद के नैनी में चल रही थी पति-पत्नी के चलते वह एक वर्ष से निलंबित चल रहा था एवं अपने घर पर ही रह रहा था।गुरुवार को करीब 11 बजे कुलदीप अपने छतारी स्थित पैतृक आवास से अलीगढ़ अपने घर स्कूटी पर जा रहा था कि पिलौना मोड़ पर सामने से आ रही आई10 कार ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल कुलदीप को एंबुलेंस की मदद से क्वासी स्थित एक नामचीन नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया एवं नर्सिंग होम पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक कुलदीप वर्ष 2016 बैच का सिपाही था जिसकी पोस्टिंग गाजियाबाद में हुई थी बाद में उसका ट्रांसफर जनपद इलाहाबाद के नैनी में हो गया था। उसका अपनी पत्नी सुमन से घरेलू विवाद बताया जाता है जिसमें वह एक वर्ष से निलंबित चल रहा था एवं अपने घर पर ही रह रहा था।मृतक ने अपने पिछे अपने छोटे भाई, माता-पिता व पत्नी सहित एकमात्र पुत्र नमन को बिलखते छोड़ा है।

तीन वार्डों में लगे कैप में आयी 34 समस्याएं

वार्ड 16, 17 व 18 में निगम द्वारा लगाए गए थे कैप

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा वार्डों में लोगों की समस्याओं के निस्तारण हेतु लगाये जा रहे जनसमस्या निस्तारण कैपों की श्रृंखला में वार्ड 16, 17 व 18 में सड़क निर्माण, बिजली, नाला सफाई, टैक्स, जलकल व सीवर सम्बंधी कुल 34 समस्याएं सामने आयीं। सभी समस्याओं के निस्तारण हेतु नगरायुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

वार्ड 16 के नवीन नगर में शिव मंदिर के सामने आयोजित जनसमस्या निस्तारण कैपों में नगरायुक्त शिपू गिरि ने महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह ,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.प्रवीण शाह व सीटीओ संगीता गुप्ता के साथ समस्याओं की सुनवाई की। जन कल्याण समिति सहित क्षेत्र के लोगों द्वारा सात प्रार्थना पत्र दिये गए।तीन प्रार्थना पत्र नवीन नगर वासियों द्वारा सामूहिक रुप से मंदिर के सामने जलभराव तथा सड़क निर्माण व नालियों की सफाई के सम्बंध में दिए गए। सीवर व लाईट ठीक कराने के लिए पी प्रार्थना पत्र दिए गए। नगरायुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।।नगरायुक्त का कैप में पहुंचने पर क्षेत्रीय पार्षद सलेख चंद, पूर्व पार्षद अंकुर अग्रवाल व नरेश रावत तथा मंदिर के पुजारी गं. गोपाल काण्डवाल ने बुके भेंट कर स्वागत किया।वार्ड 17 गैडी मलुक जनसमस्या निस्तारण कैप में 13 समस्याएं दर्ज की गयीं।इनमें टैक्स, जलकल, सड़क निर्माण व सफाई सम्बंधी शिकायतें रही। वार्ड 18 गैडी मलूक में आयी 14 शिकायतों में सात शिकायतें अधिक टैक्स वृद्धि, तीन सफाई सम्बंधी तथा दो नाला निर्माण, एक हाई मास्ट लाईट और एक पानी में रेत आने से सम्बंधित रही। सभी समस्याओं को सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को भेजते हुए नगरायुक्त ने त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।।निर्माण सम्बंधी मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर आगणन प्रस्तुत करने को कहा गया।

योग दिवस से पूर्व मोक्षायतन का हर घर योग

सहारनपुर। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से सौ दिन पूर्व आयुष मंत्रालय भारत सरकार से सहयोग करते हुए मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान और अन्य अग्रणी योग संस्थाओं द्वारा आरंभ किए गए दस विविध अभियानों के अंतर्गत मोक्षायतन संस्थान से प्रशिक्षित भारत योगियों द्वारा भारत और अनेक देशों मे योग उत्सव, शिविर, हरितयोग, योग कनेक्ट, योग समावेश, योग अनप्लग्ड और योग महाकुंभ आदि का सिलसिला जारी रखते हुए संस्थान के प्रशिक्षित साधक साधिकाएं सहारनपुर में भी योग का जागृति प्रसाद हर घर तक पहुंचाने में लगे हैं। इसी क्रम में आज इंदिरा गांधी कॉलोनी में मोक्षायतन योग संस्थान की ओर से योगाचार्यों अनिता शर्मा के नेतृत्व में प्रातः योगाभ्यास कराया गया जिसमें सामूहिक रूप से बालको बालिकाओं व प्रौढ़ लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने बताया कि उनके लिए सुबह जल्द सवेरे जगना ही स्वयं में एक ताजगी भरा अनुभव रहा और योगाभ्यास के साथ ही बच्चों ने योग संस्कार सीखे।

उत्तर मध्य रेलवे

No.RS/Mech/MFPL/MWPL/PRYJ-CNB/24

दिनांक : 11.06.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै.बै., प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.सं.: 1३ ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-MFPL-06-25

कार्य का नाम: प्रयागराज एवं कानपुर कोचिंग डिपो के LHB कोच में 150 ली. आक्जिलारी रिजर्वेयर जोड़ने वाली फीड पाइप लाइन और एयर सर्वशेंशन लाइन में संशोधन।

कार्य का अनुमानित लागत (रु.में): ₹ 1,05,26,544.00 **बिड स्किवोरिटी:** ₹ 2,02,600.00

क्र.सं.: 2३ ई-निविदा सूचना संख्या: NCR-M-PRYJ-MWPL-07-25

कार्य का नाम: प्रयागराज एवं कानपुर कोचिंग डिपो के एल.एच.बी. कोचों में अपशिष्ट जल के लिए संशोधित पाइप बिछाने का कार्य।

कार्य का अनुमानित लागत (रु में): ₹ 16,27,200.00 **बिड स्किवोरिटी:** ₹ 32,600.00

निविदा सिस्टम : क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- सिंगल पैकेट सिस्टम

ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- शून्य

कार्य की अवधि : क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- 12 माह

IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- 11.06.2025

निविदा बंद होने की तिथि : क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- 04.07.2025

न्यूनतम प्राक्ता मानदंड: क्र.सं. 1 के लिये:- लागू एवं क्र.सं. 2 के लिये:- लागू नहीं है।।

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा (2) ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है।। (3) उपयुक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी।। (4) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।।

1022/25 (MG)

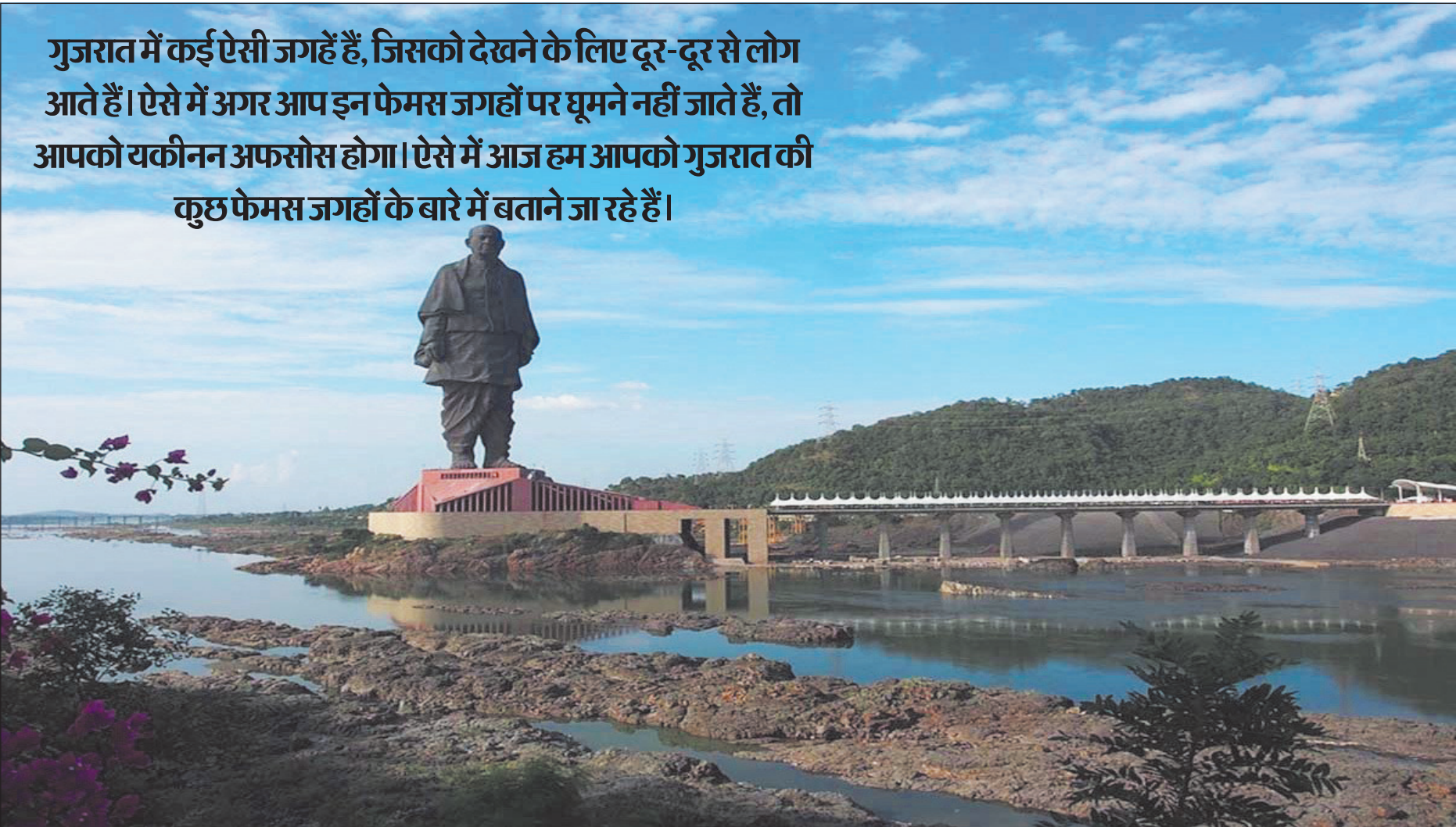
North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्वी विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एवं मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरचिंत कवि, लेखक, गीतकार, मंच

संवालेक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-एबेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।



गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती है। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की

इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थित यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के

साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कहीं धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट

पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

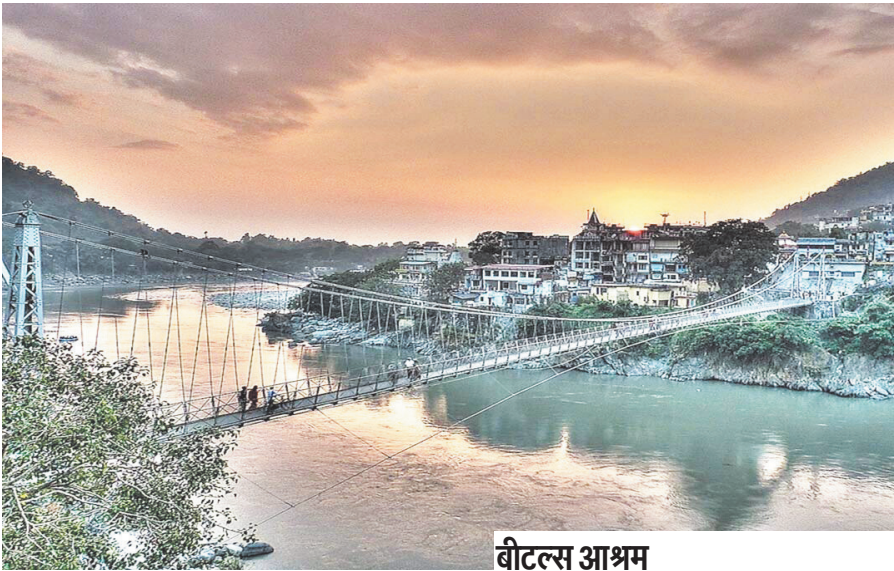
ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी



बीटल्स आश्रम

सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।



मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास खयाल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरुआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रेवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वाइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊँचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है। डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने

को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

- खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्जरलैंड'**
डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।
- कालाटोप वाइल्डलाइफ सैवचरी**
यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार

पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंगपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्च औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर

देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें ?
ट्रेकिंग और नेचर वॉक
फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग
लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी
हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)
ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना
यात्रा का सर्वोत्तम समय
मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।
सितंबर से नवंबर-हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।
दिसंबर से फरवरी-बर्फबारी का आनंद लेने वालों के

लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी ?
हवाई मार्ग निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।
रेल मार्ग निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है। डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।



कनाडा पुलिस ने 400 करोड़ की कोकीन पकड़ी

भारतीय मूल के 7 लोग गिरफ्तार, दावा- पैसे का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों में होता था

एजेंसी

कनाडा, कनाडा की पील रीजनल पुलिस ने एक बड़े ड्रग नेटवर्क का खुलासा करते हुए कोकीन तस्करी के आरोप में 7 भारतीय समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग खालिस्तान समर्थक हैं। दरअसल, कनाडा पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन नाम से एक ऑपरेशन चलाया था। इस ऑपरेशन में फरवरी से मई के बीच 479 किलो कोकीन जब्त की गई,

जिसकी कीमत 47.9 मिलियन डॉलर (लगभग 400 करोड़ रुपए) है। टीओआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ड्रग तस्करी से मिले पैसे का इस्तेमाल कई भारत विरोधी गतिविधियों में होता था। 6 जून तक मामले में गिरफ्तार गए किए भारतीय मूल के लोगों में टोरंटो के साजगित योगेंद्र राजा (31), ब्रैम्पटन के मनप्रीत सिंह (44), ब्रैम्पटन के अरविंद पोवार (29), कैलेडन के करमजीत सिंह (36), कैलेडन के गुरतेज सिंह (36), कैम्ब्रिज के सरताज सिंह



(27) और जॉर्जटाउन के शिव ओंकार सिंह (31) शामिल हैं। इनके अलावा 2 अन्य आरोपी मिसिसॉगा के हाओ टेंगी हुइङ (27) और हैमिल्टन

के फिलिप टेप (39) को गिरफ्तार किया गया है। कनाडाई पुलिस ने बताया कि इन सभी पर हथियार और ड्रग्स से जुड़े कुल 35 आरोप लगाए गए हैं। पील पुलिस ने कहा, गिरफ्तार लोगों को ब्रैम्पटन की ऑंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस में जमानत के लिए पेश किया गया है। ऑंटारियो के सॉलिसिटर जनरल माइकल एस. कर्जर ने कहा कि प्रोजेक्ट पेलिकन इस बात का सबूत है कि सही संसाधनों के साथ पुलिस हमारे समाज को सुरक्षित रख सकती है। टीओआई की एक रिपोर्ट में कनाडा

की पुलिस के हवाले से बताया गया है कि, यह नेटवर्क अमेरिका से कनाडा तक कमर्शियल ट्रकिंग रूट्स का इस्तेमाल कर कोकीन की तस्करी करता था। इसका मैक्सिकन कॉर्टेल्स और अमेरिका के ड्रग डिस्ट्रीब्यूटर्स से संबंध था। ड्रग तस्करी से मिले पैसे भारत विरोधी गतिविधियों, जैसे विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह और हथियारों की फंडिंग के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस नेटवर्क को समर्थन दे रही थी, जो

मैक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी में शामिल था। ये जांच जून 2024 में शुरू हुई थी। जिसमें कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) और अमेरिकी ड्रग इन्फोसमेंट एडमिनिस्ट्रेशन की मदद से कई लोग, ट्रैकिंग कंपनियां और स्टोरेज साइट्स की पहचान की गई। फरवरी से मई 2025 के बीच विंडसर के एंक्सडर ब्रिज पर 127 किलो और पॉइंट एडवर्ड के ब्लू वॉटर ब्रिज पर 50 किलो कोकीन जब्त की गई। ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में भी कई जितियां हुईं, जहां कुछ लोग

अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए। कुल 479 किलो कोकीन और दो अवैध हैंड गन जब्त की गईं। कनाडा खालिस्तानियों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। इसकी वजह से पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के राजनीतिक संबंधों पर काफी फर्क पड़ा है। हाल ही में कनाडा की ओर से जी7 शिखर सम्मेलन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं बुलाने की अटकलें लगाई जा रही थी। हालांकि, कनाडा ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को जी7 में शामिल होने के लिए न्यौता भेजा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को फोन कर समिट के लिए बुलाया।

ईरान पर इजराइल हमले की तैयारी में

ट्रम्प ने मिडिल-ईस्ट से गैर-जरूरी स्टाफ हटाया; बोले- खामनेई को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान/तेल अवीव, इजराइल, ईरान पर हमले के लिए पूरी तरह तैयार है। उसने अमेरिका को इसके बारे में बता दिया है। यह जानकारी उजर न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है। अमेरिका को आशंका है कि अगर इजराइल ने हमला किया, तो ईरान बदले में इराक में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकता है। यही वजह है कि अमेरिका ने बुधवार को मिडिल-ईस्ट से कुछ अमेरिकी नागरिकों और अधिकारियों को निकालने का फैसला किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इराक में तैनात गैर-



जरूरी सरकारी अधिकारियों को लौटने का आदेश दे दिया है, क्योंकि वहां तनाव बहुत बढ़ गया है। इस बीच, मिडिल-ईस्ट में ट्रम्प के दूत स्टीव

विटकोफ अभी भी ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर छठे दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। यह बातचीत कुछ ही दिनों में होनी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि अमेरिका मिडिल-ईस्ट के कुछ देशों से अपने सैनिकों को हटा रहा है, क्योंकि वहां हालात खतरनाक हो सकते हैं। दूसरी तरफ ट्रम्प ने ईरान के परमाणु हथियारों से जुड़े कार्यक्रम को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिल सकते। बहुत सीधी बात है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय और सेना ने यह साफ किया था कि इस क्षेत्र से गैर-जरूरी स्टाफ और उनके परिवार को हटा दिया जाएगा, ताकि किसी बड़े संकट की स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। ईरान के विदेश मंत्री और वरिष्ठ

राजनयिक अब्बास अराघची ने बुधवार को यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि अगर वे ईरान के खिलाफ परमाणु कार्यक्रम पर किसी भी तरह का प्रस्ताव पास करते हैं, तो ईरान उसकी कड़ी प्रतिक्रिया देगा। यह बयान आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) की जून बैठक से पहले आया है। अराघची ने यह भी कहा कि अगर ईरान के खिलाफ कोई अन्यायपूर्ण और बेबुनियाद प्रस्ताव पास किया गया, तो इसका अंजाम यूरोप को भुगतना पड़ेगा। अमेरिका और इजराइल लगातार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। दरअसल ईरान कई सालों से परमाणु तकनीक पर काम कर रहा है।

अमेरिका हिंसा- चोरी हुए आईफोन चोरों को दे रहे चेतावनी

कृपया फोन वापस करें, ये ट्रैक हो रहा है; खुद लॉक हो गए फोन

एजेंसी

लॉस एंजेलिस, अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और दंगों के दौरान उपद्रवियों ने एपल स्टोर से बड़ी संख्या में आईफोन चोरी किए। लेकिन अब वे चोरी किए गए आईफोन खुद से चेतावनी देने लग गए हैं। इन फोन्स की स्क्रीन पर लिखा आ रहा है कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें। यह डिवाइस लॉक कर दी गई है और ट्रैक हो रही है। स्थानीय पुलिस को सूचित किया जा रहा है यह घटना लॉस एंजेलिस



के डाउनटाउन इलाके में हुई। जहां अप्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुआ था। लेकिन कुछ ही घंटों में प्रदर्शन हिंसक हो गया

और दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू हो गई। एपल ने पहले से ही अपने स्टोर्स में रखे डेमो आईफोन्स में खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा है। ये सॉफ्टवेयर फोन चोरी होते ही उसे लॉक कर देता है, ट्रैक करने लगता है और एक चेतावनी संदेश दिखाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने यह सुरक्षा फीचर सिर्फ स्टोर में रखे डेमो फोनों के लिए बनाया है। यह फीचर आम ग्राहकों के फोन में नहीं होता है। एपल इस तकनीक को सालों से इस्तेमाल कर रहा है ताकि स्टोर से चोरी रोकी जा सके। जैसे ही कोई डेमो फोन स्टोर से बाहर ले

जाया जाता है, वह खुद-ब-खुद लॉक हो जाता है और ट्रैकिंग चालू हो जाती है। सोशल मीडिया पर इन फोन्स की चोरी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। इनमें कुछ लोगों ने एपल स्टोर से फोन चुराए, लेकिन फोन चालू करते ही स्क्रीन पर चेतावनी दिखने लगी और फोन काम करना बंद कर गया। अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के विरोध में चोरी और लूटपाट की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। मंगलवार को नकाबपोश दंगाइयों ने एक मॉल में स्थित जारा स्टोर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग जारा स्टोर के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसते और सामान लूटते दिखे।

उन्हें गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं, राहुल गांधी और जयराम रमेश को लेकर बोले संबित पात्रा



एजेंसी

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के ट्वीट पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश और राहुल गांधी हमेशा पीएम मोदी पर हमला करने के नाम पर भारत को कठघरे में खड़ा करने की जल्दी में रहते हैं। उन्होंने जी7 के बारे में भी यही बातें कही थीं। लेकिन वे इस बारे में अपना चेहरा कहा छिपाए? उन्हें गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं है। आज भारत वैश्विक मंच पर बहुत

कांग्रेस ने अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी दुनिया में बेहतरीन साझेदार बताए जाने पर बुधवार को कहा कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बारे में क्या कहना है और क्या यह कूटनीतिक झटका नहीं है।

वाले हैं। कांग्रेस महासचिव जयप्राम रमेश ने कहा कि मुनीर का दौरा भारत के लिए एक और बड़ा कूटनीतिक झटका है। अमेरिका की केन्द्रीय कमान (सेंटकॉम) के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने कहा है कि उनके देश को पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ संबंध रखने होंगे। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस समय आतंकवाद विरोधी लड़ाई में सक्रिय है और वह आतंकवाद विरोधी दुनिया में एक बेहतरीन साझेदार रहा है। उनकी टिप्पणी का हवाला देते हुए रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, अभी अमेरिकी सेना दिवस समारोह के लिए वाशिंगटन डीसी का दौरा करने

विमान हादसे की जगह पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह

232 यात्रियों और 10 कर्मबर्स को लेकर उड़ान भरने वाला यह विमान दोपहर 1:17 बजे लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही नीचे उतर गया और बीजे मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए।

एजेंसी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, मुरलीधर मोहोले और गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संधवी भी उनके साथ रहे। गुरुवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है। 1232 यात्रियों और 10 कर्मबर्स को लेकर उड़ान भरने वाला यह विमान

अहमदाबाद के लिए दिल्ली और मुंबई से एक-एक राहत उड़ानें आयोजित



दोपहर 1:17 बजे लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही नीचे उतर गया और बीजे मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई यात्री सवार थे। वहीं, एयर इंडिया यात्रियों और एयर इंडिया कर्मचारियों के परिजनों के लिए अहमदाबाद के लिए दिल्ली और मुंबई से एक-एक राहत उड़ानें आयोजित

कर रही है... दिल्ली और मुंबई में यात्रियों और कर्मचारियों के परिजन जो इन उड़ानों पर यात्रा करना चाहते हैं, वे हमारी हॉटलाइन 1800 5691 444 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जो लोग अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से आ रहे हैं और यात्रा करना चाहते हैं, वे हमारी हॉटलाइन +91 8062779200 पर कॉल कर सकते हैं। टाटा समूह बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के

परिवार को एक करोड़ रुपये की राशि देगा। अहमदाबाद से 242 लोगों को लेकर ब्रिटेन के लंदन जा रहा विमान बृहस्पतिवार दोपहर उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, हम एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से बहुत दुखी हैं। हमें उन्होंने कहा, इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों और उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। अहमदाबाद हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार दोपहर उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) का मलबा बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर में चिकित्सकों के छात्रावास व आवासीय क्वार्टरों के आसपास बिखरा हुआ है।

महेशतला हिंसा: बीजेपी नेता शुभेंद्रु को घटनास्थल जाने की नहीं मिली इजाजत

दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंद्रु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, आम लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होंगे, याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इस लिए मैंने कल ऐसा किया। मैंने उनसे मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका।

एजेंसी

रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के

ममता सरकार पर साधा निशाना

बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाबुज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया गया। कानून प्रवर्तन पर किए गए पथराव में एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के

बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंद्रु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, आम लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होंगे, याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसलिए मैंने कल ऐसा किया। मैंने उनसे मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका। कुछ अधिकारियों ने मुझे बताया है कि उन्होंने (डीजीपी) ममता बनर्जी से बात की, और उन्होंने



उनसे कहा कि उनसे (सुवेंद्रु अधिकारी से) मिलने की कोई जरूरत नहीं है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि उसी आदेश में यह भी लिखा है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो कोर्ट

आंध्र प्रदेश की शिक्षक र्त्ती परीक्षा पर रोक लगाने से उच्चतम न्यायालय का इन्कार

पीठ ने हालांकि कहा, परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। हम उन्हें बीच में नहीं रोक सकते। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने पीठ को बताया कि एक लाख से अधिक अभ्यर्थी पहले ही परीक्षाओं में शामिल हो चुके हैं।

एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा को रोकने की याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इसे बीच में नहीं रोका जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, हम परीक्षाएं आयोजित करने के लिए कोई तंत्र नहीं बनाते हैं। इसमें हमारी विशेषज्ञता नहीं है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से सवाल किया कि वह पहले आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। वकील द्वारा यह बताए जाने पर कि उच्च न्यायालय में गर्मियों की छुट्टी है, पीठ ने



कहा, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय गर्मियों की छुट्टी के बाद 16 जून को फिर खुल रहा है। इसके मद्देनजर, हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार करने के पक्ष में नहीं हैं। याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने सरकारी अधिसूचना का हवाला दिया और कहा कि जिला स्तर की भर्ती के लिए भी कई पालियों में परीक्षा आयोजित की जानी थी। वकील ने कहा, वे कंप्यूटर आधारित परीक्षा की दिशा में बढ़ रहे हैं...। पीठ ने हालांकि कहा, परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। हम उन्हें बीच में नहीं रोक सकते।

केन्द्रीय अर्धसैनिक बल को निर्देश देगा; यह आदेश 30 जुलाई तक वैध है। इसलिए हम इसी मांग को लेकर याचिका दायर कर रहे हैं। हमने इसके लिए दो स्थगन प्रस्ताव भी दिए हैं... मैंने डीजीपी और एसपी डायमंड हार्बर को पहले ही ईमेल कर दिया है कि एलओपी और एक विधायक को पीड़ितों से मिलने की अनुमति दी जाए। हमारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी वहां जाने की कोशिश करेंगे, देखते हैं पुलिस क्या करती है... राज्य में सनातनियों द्वारा आज दोपहर 2 बजे से राज्य में अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।